कमांक 2538-व(II)-81/1446.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भाषानाया गया है भीर सममें प्राज तक संजोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींपे गए अधिकाशों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री क्योनारायण, पुन्न श्री वदलू राम, गांव खोड़, तहसील पटौदी, जिला गुहगांवा; को रबी, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत वाली पुद्ध जागीर सनद दी में गई शर्तों के अनुसार सहके प्रदान करते हैं।

दिनांक 18 जनवरी, 1982

कमांक 2527-ज-(1)-81/1952 — श्री सोइबत सिंह, पुत्र श्री दुनी चन्द्र, गांव मित्तायल, तहसील य जिला शिवानी की विनास 8 जून, 1981, को हुई मृत्यु के परिणामस्त्रका हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री सोहबत सिंह की मृब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 57-र-र-र-र-र-१७,७३४, दिनांक, 22 मार्च, 1971 तथा अधिसूचना क्रमांक 1769-ज-र-79/44040, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1979, द्वारा अधूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती परदेशी के नाम रदी, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

दिनांक 19 जनवरी, 1982

कमांक 2537-अ-(II)-81/2098.--श्री पहलाद सिंह, पुत्र श्री राम सेवक, गांव उजीना, तहसील नूंह, जिला गृहगांव की दिनांक 6 मार्च, 1980 को हुई मृत्यू के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपा ल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मिंध-नियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है और भाज तक संगोबन किया गया हैं) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अश्रीत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री पहलाद सिंह को मृन्जिंग 150 रुपये वाधिक की जागीर जो उसेपंजाव/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 835-भार-(V)-66/958, दिनांक 4 अप्रैल, 1967 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-प्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधेषा श्रीमती हरनन्दी के नाम बरोह, 1930 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शतों के भन्तगंत प्रदान करते हैं।

दिनांक 20 जनवरी, 1982

ऋमांक 6-ज(II)-81/2453.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंचे गए ध्रिधकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री दलीप सिंह, पुत्र श्री मुगला राम, गांव सिनसार, तहसील नरवाना, जिला जीन्द की , खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रभी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत काली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

दिनांक 21 जनवरी, 1982

क्रमांक 36-ज(II)-82/2489. पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुत्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संबोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंप गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्य पाल श्री लाल चन्द, पुत्र श्री मौजी राम, गांव सुण्डाना, तहसील व जिला रोहतक, को खरीफ, 1965 से रबी 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्ती के अनुसार सहष् प्रदान करते हैं।

दिनांक 5 फरवरी, 1982

कमांक 78-ल(II)-82/4338. पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि एसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के अनुसार सीपे वर्षे अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती केसर देवी; विधवा औ इन्द्र सिंह, गाँव चटाना, ग्रह्सील व जिला सोनीपत, को खरीफ़, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत शानी युद्ध जाबीर सनद में दी गई मती के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।